उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान, बिलासपुर (IASE)

Name – Dr. Nishi Bhambari
Class – B.Ed IInd Year
Subject - Learning Teaching
Paper – I
Unit – 1
Topic – Understanding Learning Difficulties

Objectives –

1. बच्चों में अधिगम संबंधी कठिनाईयां कौन–कौन सी होती है ? इसकी समझ बी.एड. प्रशिक्षार्थियों में होगी।
2. अधिगम कठिनाईयां होने के क्या कारण है ?
3. अधिगम कठिनाईयों के निराकरण हेतु समाधान कौन–कौन से है ?
   बी.एड. प्रशिक्षार्थियों में समझ विकसित होगी।

Content –

1. Understanding Learning Difficulties

   व्यक्ति के केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र (Central Nervous System) में विकार उत्पन्न होता है – जैसे लिखने, पढ़ने, सुनने, तार्किक योग्यता, भाषा योगयता एवं गणित संबंधी योग्यता में दोष ही अधिगम कठिनाई अधिगम या अक्षमता कहलाता है।

   - अधिगम कठिनाई या अधिगम अक्षमता एक जैविक, मनोवैज्ञानिक समस्या है। जन्मजात या जीवन के किसी भी अवस्था में हो सकती है। जब बच्चा स्कूल जाता है तो भी पता चलता है।
   - अधिगम कठिनाई होने से बच्चे में स्मृति (Memory) एवं प्रत्यक्षीकरण (Perception) की क्षमता कम होती हैं किसी भी कार्य में ध्यान (Attention) कम होता है। भावात्मक रूप से कमजोर, समायोजन, निर्णय लेने की क्षमता नेतृत्व क्षमता में कमी होती है।

कारण –

बच्चों में अधिगम कठिनाई या अधिगम अभिक्षमता होने के कई कारण होते हैं। जैसे वंशानुक्रम, मस्तिष्क की संरचना, शारीरिक रोग, शारीरिक चोट, वातावरण, जन्म के समय मां के गर्भ में (मां का Drugs/Alchohol का सेवन करना), जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी, कम वजन, Premature बच्चे का जन्म, कुपोषण, आदि कारण हो सकते हैं।

Types of Learning Difficulties अधिगम कठिनाई के प्रकार

1. Dyslexia – Reading (पठन)– Learning difficulties

Dyslexia – Difficulty with Speech (कथन, भाषा, दोष विकृति)

लक्षण – धारा प्रवाह न बोल पाना, शब्दों को पढ़ नहीं पाना, बोलते–बोलते रूक जाना, उच्चारण सही नही ंकरना, वर्णमाला का उचित ज्ञान न होना, शब्दों को लुप्त करना, वर्तनी में त्रुटियां। हस्तकौशल, कमजोर हाथ के प्रयोग को लेकर अनिश्चय।

उदाहरण – जहां सीखने में ककिठनाई होती है –

1. b/d[w/m] 6/9, 3/8, प/य, व/क आदि, इन अक्षरों में विभेद नहीं कर पाता।
2. शब्दों को विपरीत क्रम में पढ़ना– कल/लक, सब/बस
3. वर्णों को गलत क्रम में रखना – फ्लेट/लेफ्ट
4. एक जैसे दिखने वाले शब्दों को गलत पढ़ना – हेल्प/हेल्ड
5. बाएं/दाएं का भ्रम –
6. बोर्ड में लिए शब्द छोटे/बड़े दिखाई देना, आदि अधिगम कठिनाई होती है।

2. **Dysgraphia (writing-learning difficulties) लेखन विकृति –**

लक्षण – लेखन का कार्य सही ढंग से नहीं कर पाना, पेन को सही ढंग से पकड़ नहीं पाना, अधूरा लिखना, वर्तनी संबंधी त्रुटियां अधिक करना, क्या सोचते हैं ? क्या लिखते हैं ? मेल नहीं रहता, आंख और हाथ की गति का समन्वय नहीं होता।

उदाहरण – शब्दों को छोड़ना

कमल / कल, भारत / भात, शावक / शाक

3. **Dyscalculia (गणितीय विकृति)**

लक्षण – गणना संबंधी विकृति रहती है। गणना नहीं कर पाते हैं। बच्चा नाम नहीं पहचान पाता, चेहरा नहीं पहचान पाता, गणना, चिन्ह +, –, ÷ संकेतों को पहचान नहीं पाते, हल नहीं कर पाते।

दिशा संबंधी ज्ञान का अभाव, नगद लेन–देन नहीं कर पाना, बैंकिंग, डिजिटल लेनदन निष्क्रियता, अंकों को याद करने एवं व्यवस्थित करने में कठिनाई, समय बताने में कठिनाई।

4. **Communication Difficulties (संचार विकृति)**

(Aphasia) भाषा विकार (वाचा घात)

मस्तिष्क की ऐसी विकृति जिसमें व्यक्ति के बोलने, लिखने तथा बोले एवं लिखे शब्दों को समझने या प्रकट करने में अनियमितता, अस्वस्थता आदि केवल छोटे छोटे शब्दों का सही उच्चारण कर पाता है, पहचानी वस्तु का सही नाम नहीं बता पाता। शब्दों का उच्चारण सही नहीं कर पाता।

Disphasia – विचारों की अभिव्यक्ति में कठिनाई के कारण सामने खड़े होकर बात नहीं पाते।

5. **Auditory Processing Disorder (APD) -**

इस प्रकार के विकास में बच्चे असाधारण रूप से जोर से या अचानक शोर से परेशान हो जाते हैं। सुनकर सीखी जानकारी याद रखने की खराब क्षमता, शोर की पृष्ठभूमि में बोली जाने वाले भाषा को समझने में कठिनाई, ध्यान देने में कठिनाई, आवाज कहां से आ रही, यह समझ नहीं पाते, Background noise को नहीं समझ पाते।

6. **Non Verbal Learning Disabilities (NLD) -**

इस प्रकार के विकास में बच्चे अशाब्दिक संकेतों जैसे चेहरे का भाव, Body language, Facial Expression आदि को समझने में कठिनाई होती है। सुनने वाली बातों की स्मृति बहुत अच्छी होती है परन्तु देखी हुई वस्तु को याद नहीं रख पाते। पढ़ने की योग्यता अच्छी होती है परन्तु गणितीय योग्यता कम होती है। सामाजिक रूप से अंतःक्रिया करने में सक्षम होते हैं। लिखित रूप से अभिव्यक्ति में कमजोर रहते हैं क्योंकि उनकी Handwriting अच्छी नहीं होती।

7. **Visual / Perceptual Motor Definit**

देखी हुई विषयवस्तु को समझने में कठिनाई होती है, देखकर एवं हाथों का प्रयोग करने में सामंजस्य नहीं रहता है। हाथों में पेन, पेंसिल सही ढंग से नहीं पकड़ पाते।

अधिगम कठिनाईयों (Learning Diffuculties) का उपचार

1. व्यवहारिक निर्देशन विधि (Behavioural Guidance Method)
    - उस व्यवहार को लक्ष्य बनाना, जिसका परिमार्जन किया जाता है।
    - लक्ष्य केंद्रित व्यवहार का प्रत्यक्ष रूप से आंकलन करना।
    - शाला में उन दशाओं को दूर करना जो बच्चे के सामान्य व्यवहार में बाधक होते हैं।

2. गणितीय क्रियाओं के समाधान हेतु स्व अध्ययन एवं स्व निर्देशन पर जोर देना बच्चों को स्वयं हल करने हेतु प्रेरित करना।
3. **लेखन आयामों पर निर्देशन –** लेखन के विभिन्न कौशलों पर बल देना, शब्दों, वाक्यों, शब्द भण्डार का अभ्यास कराना, चित्रमय कहानी सुनाना, लेखन का अभ्यास कराना, लेखन गति का अभ्यास।
4. **अध्ययन शैली पर सक्रिय बल–** ऐसे बच्चे, जो वाक्य उच्चारण सही ढंग से नहीं कर पाते, कुछ अक्षरों को शब्दों को छोड़ देते हैं। ऐसे बच्चों को वाक्य उच्चारण, पठन का अभ्यास कराना, अध्ययन सामग्री के प्रति बच्चों को संवेदनशील बनाना। अध्ययन सामग्री को रोचक बनाना ताकि बच्चे रूचि रखें, घर पर, विद्यालय में शिक्षक अभिभावकों का मार्गदर्शन आवश्यक हैं।
5. **कम्प्यूटर निर्देशन विधि –** कम्प्यूटर कौशलों का विकास करना। बच्चों को कम्प्यूटर का प्रयोग करने का अभ्यास कराना, उनको प्रेरित करना, रंगों, चित्रों का प्रयोग, कहानी, गणितीय गतिविधियां, समस्याओं, आर्ट, क्राफ्ट, विडियो, आडियो आदि का कम्प्यूटर के माध्यम से प्रयोग करना।
6. **मनोवैज्ञानिक परीक्षण –** व्यक्तित्व परीक्षण, स्मृति परीक्षण, रूचि परीक्षण, अभियोग्यता, समायोजन, शैक्षिक उपलब्धि आदि परीक्षण किया जाना चाहिए।

   विद्यालय में शिक्षकों को अधिगम कठिनाई वाले बच्चों का पुर्नबलन देना चाहिए।

आंकलन –

बच्चों में कौन–कौन सी अधिगम कठिनाईयां होती है। उन शैक्षिक गतिविधियों का उल्लेख करें, जिनसे अधिगम कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।